बेन गुरियन नहर परियोजना

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में बेन गुरियन नहर परियोजना (Ben Gurion Canal Project) में फिर से रुचि देखी गई है, यह प्रस्तावित समुद्र-स्तरीय नहर 160 मील लंबी है जो स्वेज़ नहर को दरकिनार करते हुए भूमध्य सागर को अकाबा की खाड़ी से जोड़ेगी।

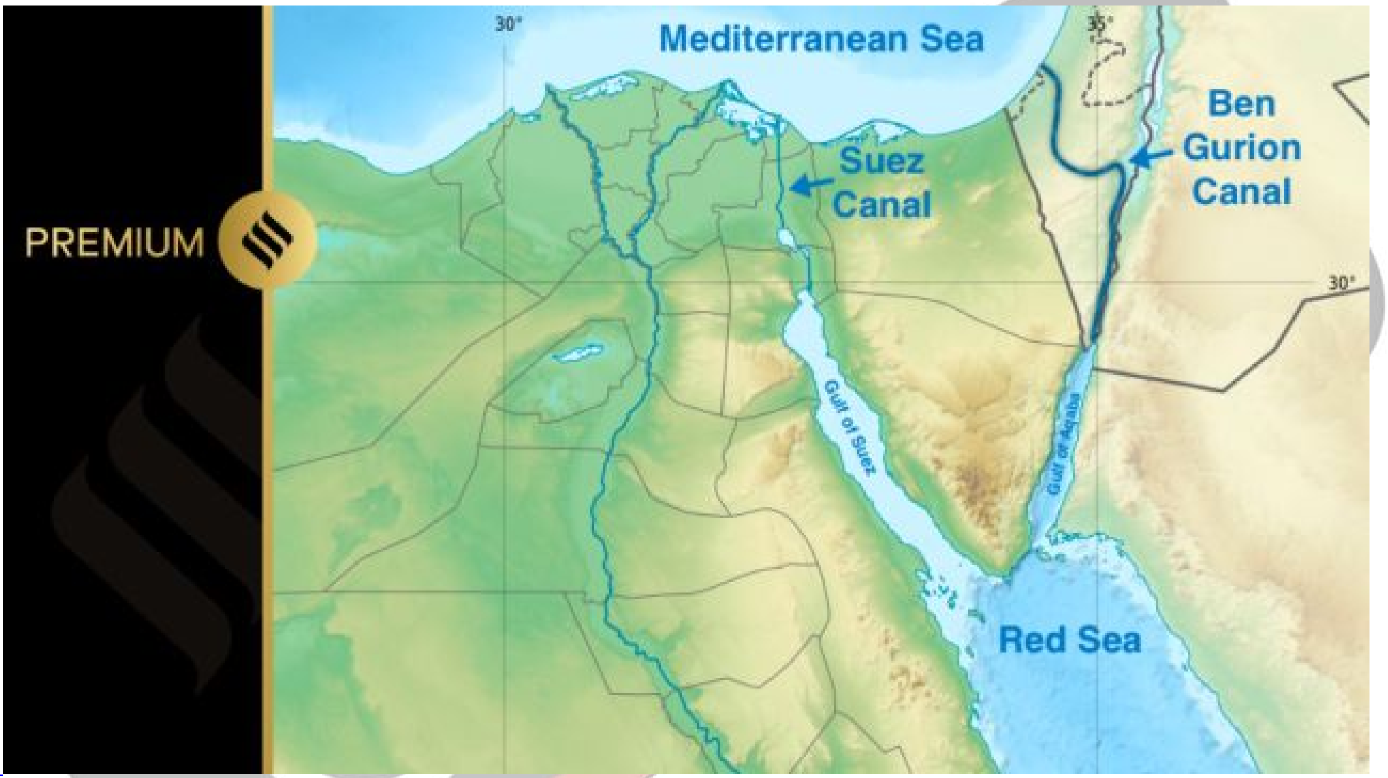

//

बेन गुरियन नहर परियोजना क्या है?

- **ऐतिहासिक महत्त्व:**
  - 1960 के दशक में बेन गुरियन नहर परियोजना की अवधारणा एक परिवर्तनकारी बुनियादी ढाँचा पहल के रूप में की गई थी।
  - इसका नाम **इज़रायल के संस्थापक (जनक) डेविड बेन-गुरियन (1886-1973)** के नाम पर रखा गया, जो इसके ऐतिहासिक महत्त्व को दर्शाता है।
- **रणनीतिक उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य स्वेज़ नहर को दरकिनार करते हुए लाल सागर को भूमध्य सागर से जोड़ने वाला एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग बनाना है।
  - इसके तहत सबसे छोटे यूरोप-एशिया मार्ग पर **मिस्र के एकाधिकार को चुनौती देकर** वैश्विक समुद्री गतिशीलता को नया आकार देने की कल्पना की गई है।
- **अकाबा की खाड़ी से भूमध्यसागरीय तट तक:**
  - अकाबा की खाड़ी (लाल सागर की पूर्वी शाखा) से शुरू होकर नेगेव रेगिस्तान (इज़रायल) के माध्यम से एक नहर के निर्माण का प्रस्ताव है।
    - यह पूर्वी भूमध्यसागरीय तट तक विस्तृत है, जो एक वैकल्पिक व्यापार मार्ग प्रदान करता है।
    - अकाबा की खाड़ी की तटरेखा चार देशों- मिस्र, इज़रायल, जॉर्डन और सऊदी अरब द्वारा साझा की जाती है।
- **आर्थिक निहितार्थ:**

- अनुमानतः गाज़ा पट्टी **को नियंत्रित करने और** हमास **को खत्म करने की इज़रायल की इच्छा नहर से जुड़े आर्थिक अवसरों** का लाभ प्राप्त करने से जुड़ी है।
    - यदि बेन गुरियन नहर परियोजना पूरी हो गई तो वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। यह स्वेज़ नहर को दरकिनार करते हुए **यूरोप और एशिया** के बीच एक नए शिपिंग मार्ग के निर्माण के साथ वैश्विक शिपिंग पर मिस्र के नियंत्रण को कम करेगा।
- **चुनौतियाँ और व्यवहार्यता:**
    - बहुत अधिक **लॉजिस्टिक, राजनीतिक और फंडिंग चुनौतियाँ** इसमें बाधाएँ उत्पन्न करती हैं।
        - अत्यधिक जटिलता और निषेधक लागत 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक होने का अनुमान है।
    - **राजनीतिक स्थिरता** की अनिवार्यता **और निरंतर सैन्य खतरा** दो महत्त्वपूर्ण सुरक्षा चिंताएँ हैं।
        - एक अन्य चुनौती **क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति** है। गाज़ा पट्टी इसके लिये एक संभावित सुरक्षा खतरा है और नहर को किसी भी हमले से बचाने की आवश्यकता होगी।

स्वेज़ नहर (Suez Canal):

- स्वेज़ नहर एक **कृत्रिम समुद्र-स्तरीय जलमार्ग (Waterway) है जो वर्ष 1869** में मिस्र में स्वेज़ के इस्तमुस के पार उत्तर से दक्षिण की ओर खुलता है तथा **भूमध्य सागर और लाल सागर** को जोड़ता है। इससे यूरोप और एशिया के बीच शिपिंग के लिये एक छोटा मार्ग उपलब्ध हो जाता है।
    - यह नहर अफ्रीका को एशिया महाद्वीप से अलग करती है।
- 150 वर्ष पुरानी इस नहर को शुरुआती वर्षों में ब्रिटिश और फ्राँसीसियों द्वारा नियंत्रित किया गया था, लेकिन वर्ष 1956 में मिस्र द्वारा इसका राष्ट्रीयकरण कर दिया गया।
    - स्वेज़ नहर अब मिस्र द्वारा नियंत्रित है, जो इसका उपयोग करने वाले जहाज़ों से टोल के रूप में राजस्व एकत्र करता है।
    - वर्ष 2021 में नहर ने मिस्र के लिये 9.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त किया, जो उसके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2% था।
- स्वेज़ नहर एक महत्त्वपूर्ण व्यापार मार्ग है, **वैश्विक व्यापार का लगभग 12%** स्वेज़ नहर से होकर गुज़रता है, जो सभी **वैश्विक कंटेनर यातायात का 30%** और प्रतिवर्ष 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य की वस्तुओं का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह नहर भारत को यूरोप, अफ्रीका और मध्य पूर्व के बाज़ारों तक अधिक आसानी से एवं उचित आर्थिक लागत के साथ वस्तुओं को पहुँचाने में सक्षम बनाती है।
    - भारत अपना अधिकांश **तेल और गैस खाड़ी देशों** से आयात करता है तथा नहर भारत को ऊर्जा आपूर्ति के सुचारु प्रवाह की सुविधा प्रदान करती है।
    - यह नहर भारत को अपने उत्पादों, जैसे- कपड़ा, रसायन और कृषि वस्तुओं को वैश्विक बाज़ारों में निर्यात करने में भी सहायता करती है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

भूमध्य सागर निम्नलिखित में से किस देश की सीमा है? (2017)

1. जॉर्डन
2. इराक
3. लेबनान
4. सीरिया

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 और 4
(d) केवल 1, 3 और 4उत्तर: (c)

प्रश्न. दक्षिण-पश्चिम एशिया का निम्नलिखित में से कौन-सा एक देश भूमध्यसागर तक नहीं फैला है? (2015)

(a) सीरिया
(b) जॉर्डन
(c) लेबनान
(d) इज़रायल

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ben-gurion-canal-project